



# बिहार गजट

## असाधारण अंक

### बिहार सरकार द्वारा प्रकाशित

15 आश्विन 1938 (श0)

(सं0 पटना 879) पटना, शुक्रवार, 7 अक्टूबर 2016

जल संसाधन विभाग

अधिसूचना

5 अगस्त 2016

सं0 22 नि0 सि0 (मुज0)-06-12/2011/1691—श्री अशोक कुमार, तत्कालीन कार्यपालक अभियन्ता, तिरहुत नहर प्रमण्डल, रतवारा, मुजफ्फरपुर सम्प्रति कार्यपालक ग्रामीण कार्य विभाग के विरुद्ध उनके पदस्थापन अविध में तिरहुत नहर प्रमण्डल, रतवारा, मुजफ्फरपुर के अन्तर्गत मुख्य नहर के वि0 दू0 722 बाँये तटबंध पर दिनांक 22.09.11 को नहर बाँध टूटान के लिए जिम्मेवार मानते हुए कार्य में लापरवाही एवं शिथिलता बरतने के आरोप में विभागीय अधिसूचना सं0 1494 दिनांक 05.12.11 द्वारा श्री कुमार को निलंबित करते हुए विभागीय संकल्प सह ज्ञापांक सं0 04 दिनांक 04.01.12 द्वारा बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली 2005 में विहित रीति से विभागीय कार्यवाही संचालित की गयी। संचालन पदाधिकारी से प्राप्त जाँच प्रतिवेदन में आरोप प्रमाणित नहीं पाया गया।

संचालन पदाधिकारी से प्राप्त जाँच प्रतिवेदन एवं विभाग में उपलब्ध साक्ष्य के आलोक में मामले की समीक्षा सरकार के स्तर पर की गयी। समीक्षोपरान्त संचालन पदाधिकारी के मंतव्य से असहमत होते हुए असहमति के निम्न बिन्दुओं पर विभागीय पत्रांक 503 दिनांक 30.04.13 द्वारा श्री कुमार से द्वितीय कारण पृच्छा की गयी।

(i) तिरहुत नहर प्रमण्डल, रतवारा, मुजफ्फरपुर के सम्पोषण मद में 16 लाख रुपये का आवंटन प्राप्त था एवं उक्त आवंटन के विरुद्ध मुख्य अभियंता द्वारा स्वीकृत कार्यक्रम में नहर के मौसमी मजदूर हेतु रू0 1.97 लाख की स्वीकृति प्रदान की गयी थी। यदि असामाजिक तत्वों द्वारा नहर बाँध के काटने की सूचना ससमय कार्यरत मौसमी मजदूरों द्वारा दी जाती तो नहर कटाव जैसे दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति को टाला जा सकता था।

उक्त के आलोक में श्री कुमार, तत्कालीन कार्यपालक अभियंता द्वारा अपने पत्रांक— शून्य दिनांक 07.05.13 द्वारा द्वितीय कारण पृच्छा का जवाब विभाग में समर्पित किया गया जिसमें मुख्य रूप से निम्न बातें कही गयी हैं:-

(i) श्रम शक्ति अध्यायना की स्वीकृति के अभाव में मौसमी मजदूरों को कार्य पर नहीं लगाया जा सका।

(ii) मौसमी मजदूरों पर नियंत्रण मुख्यतः कनीय अभियंता की जिम्मेवारी होती है।

श्री कुमार से प्राप्त द्वितीय कारण पृच्छा के जवाब की समीक्षा सरकार के स्तर पर की गयी जिसमें पाया गया कि नहरों के रख-रखाव की जिम्मेवारी कार्यपालक अभियंता की होती है एवं नहर का टूटान पाईलिंग के चलते हुआ है।

उक्त प्रमाणित आरोपों के लिए श्री कुमार, तत्कालीन कार्यपालक अभियन्ता को विभागीय अधिसूचना सं0 1301 दिनांक 23.10.13 द्वारा निलंबन से मुक्त करते हुए निम्न दण्ड दिया गया। साथ ही निलंबन अवधि के विनियमन के बिन्दु पर अलग से कारण पृच्छा करने का निर्णय भी लिया गया।

(i) निन्दन वर्ष 2011-12

(ii) दो वेतनवृद्धि पर असंचयात्मक प्रभाव से रोक।

उक्त दण्ड के विरुद्ध श्री कुमार ने अपने पत्राक- शून्य दिनांक 13.12.13 द्वारा विभाग में पुनर्विलोकन अर्जी समर्पित किया गया जिसमें निम्न बातें कही गयी हैं:-

(i) पुनर्स्थापन कार्य के तहत मिट्टी मात्र 30-35% ही कराया गया था एवं लाईनिंग का कार्य शून्य था। नहर कटान के समय नहर का बेड स्लोप तथा बेड क्लीयर नहीं रहने के कारण नहर का वास्तविक जलश्राव क्षमता मात्र 100 से 200 घनसेक रह गया था।

(ii) नहर बाँध का टूटान पाईपिंग के कारण नहीं हुआ बल्कि नहर को असामाजिक तत्वों द्वारा काटा गया, जिसे संचालन पदाधिकारी द्वारा स्वीकार किया गया है।

(iii) नहर संचालन के लिए मौसमी मजदूरों की श्रमशक्ति की स्वीकृति प्राप्त नहीं होने के कारण नहर संचालन में काफी कठिनाई हुई।

(iv) नहर के रख-रखाव की जिम्मेवारी कनीय अभियंता एवं सहायक अभियंता का होता है। उन दोनों पदाधिकारियों को दोषमुक्त किया गया एवं मुझे दण्डित किया जाना न्यायसंगत नहीं है।

श्री कुमार से प्राप्त पुनर्विलोकन अर्जी की समीक्षा सरकार के स्तर पर की गयी। समीक्षोपरान्त पाया गया कि श्री कुमार ने अपने बचाव बयान में कोई नया तथ्य या साक्ष्य नहीं दिया है जिससे यह प्रमाणित हो सके कि इनके द्वारा नियमित अंतराल पर नहरों का निरीक्षण किया गया है एवं नहर के रख-रखाव की दिशा में कारगर कार्रवाई की गयी है। अगर इनके द्वारा नहर के रख-रखाव पर समुचित ढंग से ध्यान दिया गया होता तो नहर के रूपांकित जलश्राव 2000 (दो हजार) घनसेक के विरुद्ध मात्र 65 घनसेक जलश्राव में नहर का टूटान/कटान होने की संभावना नहीं बनती।

अतएव श्री कुमार के पुनर्विलोकन अर्जी को समीक्षोपरान्त अस्वीकार करते हुए पूर्व में विभागीय अधिसूचना सं0 1301 दिनांक 23.10.13 द्वारा अधिरोपित निम्न दण्ड को बरकरार रखने का निर्णय लिया गया है।

(i) निन्दन वर्ष 2011-12

(ii) दो वेतनवृद्धि पर असंचयात्मक प्रभाव से रोक।

उक्त निर्णय श्री अशोक कुमार, तत्कालीन कार्यपालक अभियंता, सम्प्रति कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण कार्य प्रमण्डल सं0-02, नवादा को संसूचित किया जाता है।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,  
जीउत सिंह,  
सरकार के उप-सचिव।

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय,

बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित।

बिहार गजट (असाधारण) 879-571+10-डी0टी0पी0।

Website: <http://egazette.bih.nic.in>